INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VI (2nd lang.)	Department: Hindi	
Worksheet No: 13	**Topic: Dialogue writing**	**Note: Pl. file in portfolio**

विषय - संवाद लेखन

प्रश्न- बहन तथा भाई के बीच में संवाद लिखिए।

अथवा

प्रश्न- दो बहनों के बीच में संवाद लिखिए।

प्रश्न-2 सब्जीवाले और ग्राहक का वार्तालाप लिखिए।

उत्तर- ग्राहक- ये मटर कैसे दिए है भाई ?

सब्जीवाला- ले लो बाबू जी ! बहुत अच्छे मटर है, एकदम ताजा।

ग्राहक- भाव तो बताओ।

सब्जीवाला- बेचे तो पचास रुपये किलो हैं पर आपसे पैंतालीस रुपये ही लेंगे।

ग्राहक- बहुत महँगे है भाई!

सब्जीवाला- क्या बताएँ बाबूजी ! मण्डी में सब्जी के भाव आसमान छू रहे हैं।

ग्राहक- फिर भी .... । कुछ तो कम करो।

सब्जीवाला- आप एक रुपया कम दे देना बाबू जी ! कहिए कितने तोल दूँ?

ग्राहक- एक किलो मटर दे दो। और ...... एक किलो आलू भी।

सब्जीवाला- टमाटर भी ले जाइए, साहब। बहुत सस्ते हैं।

ग्राहक- कैसे हैं?

सब्जीवाला- तीस रुपये किलो दे रहा हूँ। माल लुटा दिया बाबू जी।

ग्राहक- अच्छा ! दे दो एक किलो टमाटर भी। ..... और चार नींबू भी डाल देना।

सब्जीवाला- यह लो बाबू जी। धनिया और हरी मिर्च भी रख दी है।

ग्राहक- कितने पैसे हुए?

सब्जीवाला- सिर्फ सतहत्तर रुपये।

ग्राहक- लो भाई पैसे।

सब्जीवाला- धन्यवाद बाबू जी।

प्रश्न - 3- मालिक तथा नौकर के बीच में संवाद लिखिए |

मालिक नौकर से – रामू,अरे! रामू कहाँ हो तुम?कितनी देर से बुला रहा हूँ ?

नौकर- आया मालिक।

मालिक- मैंने कल तुम्हें बताया था कि आज मेहमान आने वाले हैं। घर की साफ- सफाई की है या नहीं?

नौकर- जी मालिक कर रहा हूँ।

मालिक- तुम्हारी मालकिन ने कहा है जल्दी से सब्जी लेकर आओ।

नौकर - अभी जाता हूँ।

(नौकर 1 घंटे के बाद आता है)

मालिक- अरे रामू! तुम्हें पता था मेहमान आने वाले हैं, फिर तुमने इतनी देर कहाँ लगा दी?

नौकर- मालिक रास्ते में जाम लगा हुआ था।
मालिक-लेकिन हमारे घर के पास ही तो बहुत सारी सब्जी की दुकाने हैं ।
मालिक- मैं सब्जी मंडी गया था।
मालिक - लेकिन मैंने तुम्हें कहा था कि जल्दी सब्जी लेकर आना फिर तुम इतनी दूर क्यों चले गए?
नौकर-मालिक मैंने सोचा सब्जी मंडी से सब्जी सस्ती मिलती है।
मालिक- यही तो तुम्हें समझाने की कोशिश करता रहता हूँ कि समय के अनुरूप काम किया करो ।
नौकर -जी मालिक आगे से ध्यान रखूँगा।
मालिक- अब जाओ और जल्दी से अपनी मालकिन की सहायता करो।
नौकर -जी मालिक।

****